Extension Division
ICFRE-Forest Research Institute, Dehradun
Training programme
"*Cultivation of medicinal and aromatic plants*"
[27 – 29 October, 2025]

The Extension Division, ICFRE – Forest Research Institute, Dehradun, conducted a three-day training programme on "Cultivation and Utilization of Medicinal and Aromatic Plants" from 27th to 29th October, 2025 at Krishi Vigyan Kendra (KVK), Dhakrani, in Dehradun district of Uttarakhand. The training was organized for farmers and other stakeholders associated with medicinal and aromatic plant cultivation.

The programme was inaugurated on 27th October, 2025. During the inaugural session, the team from the Extension Division, Forest Research Institute, Dehradun, welcomed all the subject experts and participants, delivered introductory remarks, and provided an overview of the training schedule and objectives.

During the three days, participants received technical knowledge on various aspects of medicinal and aromatic plants through lectures and field visits. The key focus areas included:

- Medicinal and aromatic plant-based agroforestry for income generation
- Potential of medicinal and aromatic plants in Uttarakhand
- Cultivation and utilization of medicinal and edible mushrooms
- Soil suitability for the cultivation of medicinal and aromatic plants
- Medicinal value of wild edible plants and fruits
- Agronomy of important medicinal and aromatic plant species
- Role of Farmer Producer Organizations (FPOs) in the collection and marketing of produce and products
- Seed and nursery technologies for quality planting material
- Preparation and use of mycorrhiza-based biofertilizers to enhance productivity

A field visit to the Centre for Aromatic Plants (CAP), Selaqui, Dehradun district, was also organized. During the visit, subject experts from the Centre provided live demonstrations and explained the cultivation practices of various aromatic plants such as lemongrass, citronella, tulsi, khus (vetiver), bela, juhi, rose, bacha, nagarmotha, jwaran kusa, bhangira, stevia, mint, agar, and others. Participants also visited the distillation units of the Centre and learned about the essential oil extraction process.

In addition, participants visited the farm of Krishi Vigyan Kendra, Dhakrani, where they observed improved varieties of amla planted along the farm boundary in the fruiting stage.

The training concluded on 29th October, 2025, with the collection of participants' feedback and distribution of participation certificates. A total of 35 participants successfully completed the training programme.

The event was organized under the overall guidance of Ms. Richa Misra, IFS, Head, Extension Division. The programme was successfully implemented through the dedicated efforts of team members including Dr. Charan Singh, Shri Rambir Singh, and Shri Lokinder Sharma (Scientists), along with Shri Naveen Chauhan (Technical Assistant) and Shri Pushkar Singh (Technician). The active cooperation of Dr. A. K. Sharma, Professor and Officer-in-Charge, Krishi Vigyan Kendra, Dhakrani, and his team contributed significantly to the smooth execution and success of the programme.

विस्तार प्रभाग
भा0वा0अ0शि0प0 - वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून
प्रशिक्षण कार्यक्रम
“औषधीय एवं सुगंधित पौधों की खेती और उपयोग”
[27 – 29 अक्टूबर, 2025]

विस्तार प्रभाग, आईसीएफआरई – वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून द्वारा “औषधीय एवं सुगंधित पौधों की खेती एवं उपयोग” विषय पर एक तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 27 से 29 अक्टूबर, 2025 तक जनपद देहरादून (उत्तराखंड) के कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके), ढकरानी में आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम औषधीय एवं सुगंधित पौधों की खेती से जुड़े किसानों एवं अन्य हितधारकों के लिए आयोजित किया गया था।

कार्यक्रम का उद्घाटन 27 अक्टूबर, 2025 को किया गया। उद्घाटन सत्र के दौरान, वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून के विस्तार प्रभाग की टीम ने सभी विषय विशेषज्ञों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया, प्रारंभिक उद्बोधन दिया तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा एवं उद्देश्यों का परिचय कराया।

तीन दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को औषधीय एवं सुगंधित पौधों के विभिन्न पहलुओं पर तकनीकी ज्ञान व्याख्यानों और क्षेत्रीय भ्रमणों के माध्यम से प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के प्रमुख विषय इस प्रकार थे:

- आय सृजन हेतु औषधीय एवं सुगंधित पौधों पर आधारित कृषि वानिकी
- उत्तराखंड में औषधीय एवं सुगंधित पौधों की संभावनाएँ
- औषधीय एवं खाद्य कवक (मशरूम) की खेती एवं उपयोग
- औषधीय एवं सुगंधित पौधों की खेती हेतु मृदा की उपयुक्तता
- वन्य खाद्य पौधों एवं फलों का औषधीय मूल्य
- महत्वपूर्ण औषधीय एवं सुगंधित पौधों की कृषि-विज्ञान (एग्रोनॉमी)
- उत्पादों के संकलन एवं विपणन में किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) की भूमिका
- गुणवत्तापूर्ण पौध सामग्री हेतु बीज एवं नर्सरी प्रौद्योगिकी
- उत्पादकता बढ़ाने हेतु माइकोराइजा आधारित जैव उर्वरकों की तैयारी एवं उपयोग

कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिभागियों को जनपद देहरादून स्थित सुगंधित पौधा केंद्र (सीएपी), सेलाकुई का क्षेत्रीय भ्रमण भी कराया गया। भ्रमण के दौरान केंद्र के विषय विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को लेमनग्रास, सिट्रोनेला, तुलसी, खस (वेटिवर), बेला, जुही, गुलाब, बच, नागरमोथा, ज्वारन कुश, भंगिरा, स्टीविया, पुदीना, अगर आदि सुगंधित पौधों की खेती की तकनीकों का प्रत्यक्ष प्रदर्शन कराया। प्रतिभागियों ने केंद्र की आसवन (डिस्टिलेशन) इकाइयों का भी अवलोकन किया तथा आवश्यक तेल निष्कर्षण की प्रक्रिया के बारे में जानकारी प्राप्त की।

इसके अतिरिक्त, प्रतिभागियों ने कृषि विज्ञान केंद्र, ढकरानी के फार्म का भ्रमण किया, जहाँ उन्होंने खेत की मेड़ पर फल देने की अवस्था में लगाए गए आँवला की उन्नत प्रजातियों का अवलोकन किया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन 29 अक्टूबर, 2025 को प्रतिभागियों से प्रतिक्रिया प्राप्त करने एवं प्रमाण पत्र वितरण के साथ हुआ। कुल 35 प्रतिभागियों ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण किया।

कार्यक्रम का संचालन सुश्री ऋचा मिश्रा, आईएफएस, प्रमुख, विस्तार प्रभाग के समग्र निर्देशन में किया गया। कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन में डॉ. चरण सिंह, श्री रामवीर सिंह, श्री लोकिंदर शर्मा (वैज्ञानिक), श्री नवीन चौहान (तकनीकी सहायक) एवं श्री पुष्कर सिंह (तकनीशियन) का महत्वपूर्ण योगदान रहा। साथ ही, कृषि विज्ञान केंद्र, ढकरानी के प्रोफेसर एवं प्रभारी अधिकारी डॉ. ए. के. शर्मा तथा उनकी टीम के सक्रिय सहयोग से कार्यक्रम का सुचारू संचालन एवं सफल आयोजन संभव हो सका।

Glimpses of the training programme